ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2017

HINDI (हिन्दी)

समयः 3 घण्टे] **SET-A** **[पूर्णांक: 100**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उतर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

खण्ड-क : अपठित गद्यांश (20 अंक)

प्रश्न 1. नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी होती है। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं? जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रान्ति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मग्न रहता है।

अर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, जिन्दगी की चुनौती को कबूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज सुनता रहता है। एक ऐसी आवाज जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। यह आवाज उसे बराबर कहती रहती है " तुम साहस नहीं दिखा सके. तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए। " सांसारिक अर्थ में जिसे हम सुख कहते हैं उसका न मिलना, फिर भी, इससे कहीं श्रेष्ठ है कि मरने के समय हम अपनी आत्मा से यह धिक्कार सुनें कि तुममें हिम्मत की कमी थी कि तुममें साहस का प्रभाव था कि तुम ठीक वक्त पर जिन्दगी से भाग खड़े हुए।

जिन्दगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम का हर जगह एक घेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरों के बीच कैद हो जाता है और जिन्दगी का कोई मजा उसे नहीं मिल पाता, क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में उसने जिन्दगी को ही आने से रोक रखा है। भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है। 'त्यक्तेन भुञ्जीथा' जीवन का भोग त्याग के साथ करो, यह केवल परमार्थ का उपदेश ही नहीं है, क्योंकि संयम से भोग करने पर जीवन से जो आनन्द प्राप्त होता है, वह निराभोगी बनकर भोगने से नहीं मिल पाता।

प्रश्न-

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) किसे सबसे बड़ी जिन्दगी बताया गया है?

(ग) इस जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान क्या है?

(घ) साहसी मनुष्य कौन होता है?

(ङ) झुण्ड में कौन लोग रहते हैं?

(च) अर्नाल्ड बेनेट ने क्या लिखा है?

(छ) जिन्दगी को ठीक से जीना क्या है?

(ज) भोजन का असली स्वाद किसे मिलता है?

(झ) जीवन का भोग किस प्रकार करना चाहिए?

(ञ) जिन्दगी का कोई मजा किसे नहीं मिलता है?

(ट) 'साहस' का पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(ठ) 'सांसारिक' शब्द का प्रत्यय अलग कीजिए ।

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-

हमारा पर्यावरण रक्षा कवच है। यह हमें प्रकृति से विरासत में मिला है। यह हम सबका पालनकर्ता और जीवनाधार है। वस्तुतः पर्यावरण रक्षण भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ है। पेड़-पौधे और जानवर हमारे मित्र हैं। इसलिए बड़े-बड़े बाग-बगीचों और पार्कों को 'शहर का फेफड़ा' कहा जाता है।

हमारी संस्कृति में पेड़ लगाना पुण्य कार्य माना जाता है। पीपल, बरगद, आम, नीम, जामुन, आँवला जैसे उपयोगी वृक्षों के रोपण को महान धार्मिक कृत्य माना गया है। पेय जल-स्रोतों के निकट मल-मूत्र त्याग को पापकर्म माना गया है।

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए सबसे अधिक आवश्यकता इस बात की है कि कल-कारखाने से निकलने वाले प्रदूषित जल और कूड़े-कचरे के शुद्धिकरण की व्यवस्था की जाय । सरकारी स्तर पर इस दिशा में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में हम स्वयं भी सहयोग दे सकते हैं। यह काम हम दो तरह से कर सकते हैं। पहला यह कि हम गंदगी न फैलाएँ और दूसरा यह कि जहाँ गंदगी हो उसे साफ करने में सहयोग दें। अपने आसपास की नालियों को साफ रखें और जहाँ तहाँ कूड़ा-कचरा आदि न फेंके। खुले में मल-मूत्र विसर्जित न करें। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाएँ ।

इस प्रकार हम देखते हैं कि आधुनिक युग में चारों प्रकार के प्रदूषण-भूमि, जल, वायु और ध्वनि-प्रदूषण फैल रहे हैं। भविष्य में इसका दुष्प्रभाव कितना फैलेगा, बताना मुश्किल है। हम जानते हैं कि प्रायः सभी जीवधारियों के लिए प्राणवायु (ऑक्सीजन) आवश्यक है। यदि प्राणवायु दूषित हो जाएगी तो जीवधारियों को जीने के लाले पड़ जायेंगे। हवा के बाद दूसरी आवश्यकता है पानी । पानी भी अब शुद्ध नहीं मिलता है।

आज हमारा मौसम चक्र बहुत कुछ बदल गया हैं बल्कि अनिश्चित सा ही हो गया है। अब कहीं अतिवृष्टि होती है, कहीं अल्पवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि । इस तरह पर्यावरण प्रदूषित होने से प्राकृतिक संतुलन भी बिगड़ता जा रहा है। मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन तो पीड़ित हैं ही, वैज्ञानिक भी चिन्तित है।

प्रश्न-

(क) उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(ख) पर्यावरण का हमारे जीवन में क्या संबंध है?

(ग) पेड़ लगाने को संस्कृति में क्या माना गया है?

(घ) पर्यावरण-प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है?

(ङ) प्रदूषण कितने प्रकार का होता है और कौन-कौन?

(च) प्राणवायु किसे कहते हैं? प्राणवायु के प्रदूषित होने से क्या समस्या होगी ?

(छ) मौसम चक्र बदल जाने का क्या परिणाम हो रहा है?

(ज) 'शहर का फेफड़ा' किसे कहा जाता है?

खण्ड ख : रचना (15 अंक)

प्रश्न 3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखें:

(क) परोपकार :

(संकेत बिन्दु-परोपकार का अर्थ, परोपकार का महत्व, परोपकार से प्राप्त अलौकिक सुख, परोपकार के कुछ उदाहरण उपसंहार)

(ख) समय का महत्त्व :

(संकेत बिन्दु-समय का महत्त्व, समय के सदुपयोग से लाभ, विद्यार्थी जीवन और समय सदुपयोग करने वालों के कुछ उदाहरण उपसंहार।)

(ग) हमारा राज्य झारखण्ड :

(संकेत बिन्दु-परिचय इतिहास, सीमा, निवासी, साधन, उपसंहार।)

प्रश्न 4. अपनी वार्षिक परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए पिताजी को एक पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मुहल्ले में पेयजल की नियमित आपूर्ति हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को एक अनुरोध पत्र लिखिए।

खण्ड - ग : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

प्रश्न 5. वाक्य में प्रयुक्त क्रिया पदों को छाँट कर लिखिए:

(क) बादल आकाश में छा गये हैं।

(ख) अनुराग अपना सिर खुजला रहा है।

(ग) पहरेदार जग रहा है।

प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए:

(क) मेरा विद्यालय मेरे घर के ..... है।

(ख) अच्छे चरित्र ..... जीवन निरर्थक है।

(ग) भारत की सभ्यता ..... संस्कृति प्राचीन है।

प्रश्न 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) संयुक्त वाक्य का एक उदाहरण दीजिए ।

(ख) परिश्रमी लड़के परीक्षा में सफल होते हैं। (मिश्र वाक्य में बदलें)

(ग) मैंने एक व्यक्ति को देखा, जो बहुत गरीब था । (आश्रित उपवाक्य को अलग कीजिए।)

प्रश्न 8. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए:

(क) मुझसे चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलें)

(ख) मैंने कपड़े धोये हैं। (कर्मवाच्य में बदलें।)

(ग) पक्षी उड़ते हैं। (भाववाच्य में बदलें।)

प्रश्न 9. (क) 'त्रिभुज' का समास विग्रह करें।

(ख) 'पीताम्बर' कौन समास है?

(ग) 'पतंग' के दो भिन्न अर्थ लिखें।

खण्ड घ : पाठ्य पुस्तकें (50 अंक)

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

विकल विकल, उन्मन थे उन्मन

विश्व के निदाध के सकल जन,

आए अज्ञात दिशा से अनंत के धन ।

तप्त धरा, जल से फिर

शीतल कर दो-

बादल, गरजो।

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) कौन विकल और अनमने थे तथा क्यों?

(ग) कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कह रहे हैं?

(घ) इस पद्यांश में किन-किन शब्दों की पुनरुक्ति हुई है?

अथवा

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।

प्रभुता का शरण बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन, होगा दुख दूना ।

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

(ग) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं?

(घ) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा' का अर्थ लिखें।

प्रश्न 11. निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?

(ख) चाँदनी रात की सुन्दरता को कवि देव ने किन-किन रूपों में देखा है?

(ग) बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अन्तर है?

(घ) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख वी?

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) पठित पाठ के आधार पर तुलसीदास के भाषा सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही हैं?

अथवा

(क) कवि जयशंकर प्रसाद ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है?

(ख) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए?

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किन्तु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हुई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह

आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती- मैं चली जाऊँगी बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए। लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा- यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) सिद्ध करें कि बालगोबिन भगत नर-नारी के अंतर को नहीं मानते थें?

(ग) भगत जी की पतोहू भगत जी के साथ क्यों रहना चाहती थी?

(घ) आखिरकार भगत जी की पतोहू को ससुराल छोड़कर क्यों जाना पड़ा?

अथवा

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनन्द-कानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हजारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधारी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहजीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा । https://www.jharkhandboard.com

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) यह एक अलग काशी है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) शास्त्रों में काशी किस नाम से प्रतिष्ठित रही है?

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) पठित पाठ के आधार पर फादर कामिल बुल्के की जो छवि उभरती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) वह कौन-सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर?

(ग) बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से जुड़ी घटनाओं और व्यक्तियों का उल्लेख करे जिन्होंने उनकी संगीत साधना को समृद्ध किया।

(घ) किन महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई धागे का आविष्कार हुआ होगा?

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 'लखनवी अंदाज' पाठ का क्या संदेश है?

(ख) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

अथवा

(क) तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है? स्पष्ट करें।

(ख) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है?

प्रश्न 16. जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में जो महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी, उन्हें लिखिए ।

अथवा

भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार दिया?

प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :

(क) 'माता का अँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

(ख) जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए?

(ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है?

(घ) लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया?